To Dip or Not to Dip?

'To Dip or Not to Dip'एक प्रमाण-आधारित मार्गपथ है,जिसका लक्ष्यदेखभाल गृहों में रहने वाले वृद्ध लोगों में युरिनरी ट्रैक्ट इंफेक्शनों (मूत्र-मार्ग संक्रमणों)(UTI)के निदान और प्रबंधन को बेहतर बनाना है। इस मार्गपथ से UTIके लिए एंटिबायोटिक काप्रयोग और अस्पताल में भर्तीकरण का कम होना पाया गया है। इस पत्रक में UTI तथा 'To Dip or Not to Dip' देखभालमार्गपथके बारे में और अधिक समझाया गया है।

वृद्ध लोगों के मूत्र में बैक्टीरिया (जीवाणु) की उपस्थिति

वृद्ध लोगों के मूत्र में बैक्टीरिया की उपस्थिति का अर्थ अनिवार्य रूप से ऐसा संक्रमण होना नहीं है, जिसके लिए एंटिबायोटिक्स की आवश्यकता पड़ती है। बैक्टीरिया वृद्ध लोगों के मूत्र में बिना नुकसान पहुँचाए रह सकता है। वास्तव में, करीब 50% वृद्ध लोगों केमूत्र में बैक्टीरिया होता है और इसके कोई लक्षण भी पैदा नहीं होते हैं। जिन वृद्धों में लंबे समय से युरिनरी कैथेटर लगा होता है, उनके लिए यह संख्या बढ़कर 100% हो जाती है।

युरिन डिपस्टिक्स के साथ क्या समस्या है?

देखभाल गृहों में रहने वाले वृद्ध लोगों में UTI के निदान में अक्सर युरिन डिपस्टिक्स का प्रयोग किया जाता है। 'नाइट्राइट' (बैक्टीरियामार्कर) या'ल्यूकोसाइट' (श्वेतरक्तकोशिकामार्कर) के लिए सकारात्मक परिणाम मूत्र में बैक्टीरिया वाले वृद्ध लोगों के अधिक अनुपात के कारण एक सामान्य निष्कर्ष हो सकता है। अक्सर, यदि निवासी का डिपस्टिक परिणाम पॉज़िटिव आता है

और उनके शरीर में कोई विशिष्ट-लक्षण नहीं हैं, जैसे कि वे ज़मीन परगिरेहैंया सुस्त दिखाई देतेहैं, तो उनके लिए UTI का निदान अनुचित होता है। वास्तविक निदान से चूक हो सकती है और निवासी को अनावश्यक रूप से एंटिबायोटिक्स दी जा सकती हैं।

एंटिबायोटिक्स: भलाई से ज़्यादा नुकसान?

एंटिबायोटिक्स शक्तिशाली और बहुमूल्य दवाइयाँ होती हैं। बैक्टीरिया एंटिबायोटिक प्रतिरोध विकसित कर सकते हैं। इसका अर्थ है कि हो सकता है एंटिबायोटिक्स उस समय काम न करें जब व्यक्ति को वास्तव में इनकी ज़रुरत हो और ये प्रतिरोधक बैक्टीरिया ऐजेडकेयर होम परिसर में बहुत आसानी से फैल सकते हैं। एंटिबायोटिक्स प्राप्त करने वाले वृद्ध लोगों में जी मिचलाना, पेटदर्द होना और त्वचा पर दाने होना जैसे पक्ष-प्रभाव आम रूप से होते हैं। C.difficileडायरिया (या 'C. diff') कहे जाने वाला प्राणघातक संक्रमण एंटिबायोटिक्स से उत्पन्न हो सकता है। एंटिबायोटिक्स की सुरक्षा हर किसी की जिम्मेदारी होती है और इनका प्रयोग केवल तभी किया जाना चाहिए जब बैक्टीरियल संक्रमण का पुख्ता प्रमाण हो।

To Dip or Not to Dip Clinical Pathway (क्लिनिक्ल मार्गपर्थ)

ऐजेडकेयर होम के कर्मचारी सर्वश्रेष्ठ कार्यप्रथा दिशा-निर्देशों पर आधारित Clinical Pathway का प्रयोग करते हैं। युरिन डिपस्टिक्स का प्रयोग सबसे पहले नहीं किया जाता है। इसकेबजाए कर्मचारी उन लक्षणों और संकेतों का आकलन करने के लिए Clinical Pathway के प्रयोग पर ध्यान केन्द्रित करते हैं, जो UTI या अन्य कारणों, तथा की जाने वाली कार्रवाईयों का सुझाव देते हैं। यदि UTI का संदेह है, तो सर्वोत्तम और सबसे सुरक्षित एंटिबायोटिक से इलाज करने के लिए युरिन कल्चर्सएकत्र करनाबहुत महत्वपूर्ण होता है। क्या आपके सवाल हैं?अपने मैनेजर या IPC Lead से संपर्क करें।

क्या आप और अधिक जानना चाहते/ती हैं? agedcarequality.gov.au/antimicrobial-stewardship देखें

NHS Nottinghamshire County Council के 'To Dip or Not to Dip' प्रोजेक्ट और Dr Annie Joseph के काम से रूपांतरित। 'To Dip or Not To Dip' को इंग्लैंड में देखभाल गृहों में NHS की एक कामयाब गुणवत्ता सुधार परियोजना से रूपांतरित किया गया है।

संस्करण 2 (मार्च 2022)

Australian Government
Aged Care Quality and Safety Commission

एंटिबायोटिक्स का बेहतर प्रयोग